सफलता की कहानी 1.

संस्था बिहार प्रदेश युवा परिषद् के द्वारा नाबार्ड के सहयोग से एल.ई.डी.पी. परियोजना (बकरी पालन) पलामू जिला के सतबरवा प्रखण्ड के पांच गॉवो में संचालित किया गया, यह परियोजना मार्च 2016 से सितम्बर 2017 तक संचालित किया गया, इस परियोजना में 17 महिला स्वयं सहायता समूह के 150 सदस्यो को शामिल किया गया।

परियोजना के तहत बकरी पालन को चुनने का संस्था का मुख्य उद्देश्य यह था की सतबरवा प्रखण्ड में बकरी का बाजार प्रत्येक सप्ताह लगता है जो कि पूरे भारत वर्ष में प्रसिद्ध है एवं यहां की बकरीयॉ भारत वर्ष के अनेक राज्यो में भेजी जाती है।

परियोजना के तहत पिपरा–कला गॉव में बैठक आयोजित कर पानपती देवी का बकरी पालन प्रशिक्षण हेतू चुनाव किया गया, परियोजना के पूर्व से ही पानपती देवी बकरी पालन का कार्य करती आ रहीं थी परन्तू जानकारी के अभाव में बकरीयो का टिकाकरण नहीं करती थी जिससे इनके बकरी पालन कार्य से उचित आमदनी प्राप्त नहीं हो पा रहा था। परियोजना के तहत पानपती देवी को सात दिनो का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें उन्हे बकरीयों का टिकाकरण, रोग एवं उसके रोकथाम, खान–पान आदि विषयो पर विस्तृत जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत पानपती देवी महिला स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर तीन बकरी की खरीद की एवं प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी के अनुसार बकरी का पालन का कार्य कर रहीं हैं, वर्तमान मे पानपती देवी के पास 5 बकरी एवं चार बकरी का बच्चा है एवं ये प्रत्येक वर्ष दो बार टिकाकरण करवाा रही है, जिससे बकरीयों की मृत्यु दर में अत्यन्त कमी आई है तथा इनके वार्षिक आय में बकरी पालन के द्वारा 6000.00 रूपये की वृद्धि हुई है।

पानपती देवी की जुबानी– दु साल पहिले हमीन बकरी पालन कर रहल हली लेकिन बकरी मर जा हलई जेकर चलते हम बकरी हम बकरी पालेला छोड़े के सोचले हली बाकी संस्था वालन हमीन के सात दिन के प्रशिक्षण देलथिन आउ हमिन सब बहिन सिखलिअई जेकर से हम समुह से लोन ले के तीन गो बकरी खरीदलिया आउ ओकर गॉव में डाक्टर के बुला के सूई दिलवलिई, आज हमारा पास नौ गो बकरी हई आउ हमारा बढ़ीया फायदा होवत हई।

बकरी पालन चित्र

सफलता की कहानी 2.

नाबार्ड एल.ई.डी.पी. बकरी पालन परियोजना अन्तर्गत चेतमा गॉव में बैठक आयोजित कर जागो देवी का बकरी पालन प्रशिक्षण हेतू चुनाव किया गया, परियोजना के पूर्व से ही जागो देवी बकरी पालन का कार्य करती आ रहीं थी परन्तू जानकारी के अभाव में बकरीयो का टिकाकरण नहीं करती थी जिससे इनके बकरी पालन कार्य से उचित आमदनी प्राप्त नहीं हो पा रहा था। परियोजना के तहत जागो देवी को सात दिनो का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें उन्हे बकरीयों का टिकाकरण, रोग एवं उसके रोकथाम, खान–पान आदि विषयो पर विस्तृत जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात जागो देवी बकरीयों का टिकाकरण राजकीय पशू चिकित्सालय सतबरवा के द्वारा गॉव में ही करवाया गया। इसके बाद जागो देवी महिला समूह से ऋण लेकर 2 बकरी खरीदी तथा इन्हे मनरेगा मद से सरकार के द्वारा 72000.00 रूपये का बकरी शेड भी प्राप्त हुआ। जागो देवी प्रशिक्षण में प्राप्त अनुभव के आधार पर बकरी पालन के कार्य को शुरू की हैं, जिससे इन्हे बकरी पालन मे अत्यधिक लाभ प्राप्त हो रहा है तथा वर्तमान में इनके पास कुल 18 बकरीयॉ हैं तथा वार्षिक आमदनी में 8000.00 रूपये की वृद्धि हुई है।

बकरी पालन चित्र